अवधि : 15 मिनट हिन्दी आलोचना - 04 अंक : 10

1. आलोचना कृति 'निराला की साहित्य साधना' कितनें खण्डों में प्रकाशित है ?
a) दो b) तीन c) चार d) पाँच

2. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचनात्मक कृतियों का सही अनुक्रम है :
a) हिन्दी साहित्य का आदिकाल, कबीर, हिन्दी साहित्य की भूमिका
b) हिन्दी साहित्य की भूमिका, कबीर, हिन्दी साहित्य का आदिकाल
c) कबीर, हिन्दी साहित्य का आदिकाल, हिन्दी साहित्य की भूमिका
d) कबीर, हिन्दी साहित्य की भूमिका, हिन्दी साहित्य का आदिकाल

3. "जगत् अव्यक्त की अभिव्यक्ति है, काव्य उस अभिव्यक्ति की अभिव्यक्ति है।" - यह कथन किसका है ?
a) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल b) डॉ. नगेन्द्र
c) डॉ. रामविलास शर्मा d) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

4. "जिसके पास उच्च कोटि के विचार नहीं हैं, भावावेश नहीं है, यथार्थ का गहरा ज्ञान नहीं है, वह कला को निखारने की कोशिश करके उत्कृष्ट साहित्य नहीं रच सकता।" - यह कथन किसका है ?
a) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल b) डॉ. नगेन्द्र
c) डॉ. रामविलास शर्मा d) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

5. 'रीति और शैली' किसकी आलोचनात्मक कृति है ?
a) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल b) डॉ. नगेन्द्र

REDMI NOTE 8
AI QUAD CAMERA

c) आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी d) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

6. 'कबीर' आलोचनात्मक कृति का रचना-काल है ?

a) 1940 ई. b) 1941 ई. c) 1952 ई. d) 1954 ई.

7. 'नयी कविता और अस्तित्ववाद' का लेखक इनमें से कौन है ?

a) प्रकाशचंद्र गुप्त b) रामविलास शर्मा

c) नेमिचंद्र जैन d) मैनेजर पाण्डेय

8. इनमें से कौन-सी कृति डॉ. नगेन्द्र की नहीं है ?

a) रस सिद्धान्त b) विचार और अनुभूति

c) नयी समीक्षा : नये संदर्भ d) वाद-विवाद-संवाद

9. " अनूठी से अनूठी उक्ति तभी काव्य हो सकती है, जबकि उसका सम्बन्ध कुछ दूर का ही सही, हृदय के किसी भाव या वृत्ति से होगा।" - यह कथन किसका है ?

a) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल b) डॉ. नगेन्द्र

c) डॉ. रामविलास शर्मा d) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

10. डॉ. नगेन्द्र की आलोचनात्मक कृति का सही अनुक्रम है :

a) रीतिकाव्य की भूमिका, आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ, विचार और विश्लेषण

b) विचार और विश्लेषण, रीतिकाव्य की भूमिका, आधु. हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ

c) आधु. हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ, विचार और विश्लेषण, रीतिकाव्य की भूमिका

d) रीतिकाव्य की भूमिका, विचार और विश्लेषण, आधु. हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ